to install pollution control devices in order to comply with the directions given in the consent conditions issued by the Pollution Control Boards. The expenditure of the Pollution Control Boards is towards their regulatory responsibilities. It will not be possible to determine this expenditure separately for cities, including Delhi. On the basis of assessment for the five years (1980—1984) of annual average values of Suspended Particulate Matter (SPM) monitored under the WHO Global Environment Monitoring System (GEMS) programme in 41 cities of the world, Delhi ranked the fourth city in the world with an annual SPM average from 400 to 550 g/m3 while the ambient average SPM value should be 500 µg|m3. The natural dust level in the ambient air of Delhi and emissions from industrial activities including thermal power plants and vehicular traffic are the major causes for this pollution. In regard to other parameters of air pollution *i.e.* sulphur dioxide and oxides of nitorgen, Delhi's ambient air quality is within prescribed standards.

(c) and (d) To control pollution standards for emissions and effluents have been notified for all major categories of industries. The standards for vehicular emissions are being implemented from March 1, 1990. All the thermal power plants in Delhi now have high efficiency electrostatic precipitator except Unit No. 3 of Badarpur where the work is in progress.

Damage of the Kanha National Park in Madhya Pradesh due to Fires

*118. MISS SAROJ KHAPARDE:
CHOWDHRY HARI SINGH:

Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the reports which appeared in the Times of India dated the 23rd April 1990 to the effect that terrorists have seized parts of the Kanha National Park in Madhya Pradesh and unleashed a region of terror among the forest guards;

(b) whether it is a fact that about 70 per cent of the forest in this area has been burnt down by fires; if so, what was the number of birds and animals which have been killed; and

(c) what action has been taken by Government to prevent damage to the Kanha National Park?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SMT. MANEKA GANDHI): (a) and (b) The news item in Times of India of 23rd April, 1990 has come to the notice of the Government. The State Government of Madhya Pradesh has informed that the statement that terrorists have seized parts of Kanha National Park and unleashed a region of terror upon Forest Guards is not correct. Naxalities are, however, reported to have entered the Park and beaten up one forester and a forest guard inside the Park, besides intimidation of some staff. According to the State Government about 45 per cent of forest area has been affected by surface fires in which grasses and dry fallen material have been burnt. No deaths of birds and animals due to fires have been reported.

(c) The State Government has informed that following steps have been taken to prevent damage to the Kanha National Park:

(i) Four patrolling parties consisting of forest staff and armed police will do intensive patrolling of the Park.

police officers have been directed to flush out all naxalities.

(iii) A committee of high officials will tour bordering villages to rectify grievances of villagers and forest staff.

पुस्तक प्रकाशन के क्षेत्र में भारत की स्थिति

*119. श्री कपिलदेव वर्मा
श्रीमती वीणा :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पुस्तक प्रकाशन के क्षेत्र में विश्व में सातवें स्थान

पर रहने वाला भारत अब 17वें स्थान पर आ गया है, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ख) क्या यह भी सच है कि विदेशी पुस्तकों का आयात बहुत बड़े पैमाने पर हो रहा है ; यदि हां, तो इस समय कितनी पुस्तकों का आयात किया जा रहा है ; और

(ग) क्या सरकार इस संबंध में खुला सामान्य लाइसेंस समाप्त करने का विचार रखती है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चिमनभाई मेहता) : (क) ऐसी कोई स्वीकृत अन्तर्राष्ट्रीय रैंक निर्धारण पद्धति नहीं है, जिसके आधार पर यह कहा जा सके कि पुस्तक प्रकाशन के क्षेत्र में भारत का विश्व में सत्रहवां स्थान है । तथापि, 1989 के लिए यूनेस्को सांख्यिकीय वर्ष पुस्तक में 84 देशों में प्रकाशित शीर्षकों की संख्या की सूची है जिसके अनुसार 1985 में 10 देशों ने भारत की अपेक्षा अधिक संख्या में शीर्षक प्रकाशित किए ।

(ख) यह सच है कि पर्याप्त संख्या में पुस्तकें भारत में आयात की जाती हैं। अद्यतन उपलब्ध सूचना के अनुसार, 1987-88 में 4547.02 लाख रुपये की कीमत की पुस्तकों के साथ साथ 2524.11 लाख रुपये की कीमत की पुस्तिकाओं, विवरणिकाओं, पत्रकों तथा सूचीपत्रों और 1.77 लाख रुपये की कीमत की बाल पुस्तकों का आयात किया गया था ।

(ग) ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है ।

भारतीय शान्ति सेना (आई०पी०के० एफ०) के मारे गए या घायल कार्मिक तथा मुआवजे का भुगतान

***120. सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**
श्री प्रमोद महाजन :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 31 मार्च 1990 तक भारतीय शांति सेना को श्रीलंका से पूरी तरह वापस बुला लिया गया है ;

(ख) यदि हां, तो श्रीलंका में इस बल के ठहरने की अवधि के दौरान इसके कितने अधिकारी और जवान मारे गए तथा घायल हुए ;

(ग) क्या सरकार ने श्रीलंका में मारे गए तथा घायल हुए सभी अधिकारियों तथा जवानों को देय मुआवजे का भुगतान कर दिया है ;

(घ) यदि नहीं, तो कुल कितने मामलों को निपटा दिया गया है और कितने मामले अभी भी लम्बित पड़े हैं और इन मामलों को कब तक निपटा दिए जाने की संभावना है ; और

(ङ) भारतीय शांति सेना के मिशन पर कुल कितना खर्च आया है ?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राजा रमन्ना) : (क) जी, हां ।

(ख) भारतीय शांति सेना की कार्रवाइयों के दौरान मारे गए/घायल हुए अफसरों तथा जवानों की संख्या नीचे दी गई है :—

	मारे गए	घायल हुए
अफसर	55	162
जूनियर कमीशन अफसर	77	188
अन्य रैंक	1031	2632

(ग) और (घ) सिवाय 34 मामलों के, अन्य सभी मामलों में देय मुआवजे की अदायगी कर दी गई है । आशा है इन 34 मामलों की भी तीन महीनों के भीतर निपटा दिया जाएगा ।

(ङ) फरवरी, 1990 के अन्त तक 299.12 करोड़ रुपए का अनुमानित अतिरिक्त व्यय ।

उपयुक्त व्यय वेतन और भत्तों आदि के अतिरिक्त है । वेतन और भत्तों पर होने वाला व्यय सैनिकों के भारत में होने की स्थिति में भी हुआ होता ।